बिहार पृथ्वी दिवस

(09 अगस्त 2012)

बिहार पृथ्वी दिवस

(09 अगस्त 2012)

प्रत्येक वर्ष 09 अगस्त को ''पृथ्वी दिवस'' मनाने का निर्णय बिहार सरकार द्वारा वर्ष 2011 में लिया गया। पृथ्वी दिवस को अगस्त क्रांति दिवस के दिन मनाने का निर्णय लिया गया है। जिस तरह अगस्त क्रांति का नारा था करो या मरो उसी तरह पृथ्वी दिवस पर पर्यावरण सुरक्षा हेतु संकल्प लिया जाता है।

इस वर्ष 9 अगस्त 2012 को पृथ्वी दिवस के दिन पूरे बिहार राज्य के सभी विद्यालयों के छात्र–छात्राओं द्वारा संकल्प सभा का आयोजन कर पर्यावरण संरक्षण/सुरक्षा हेतु 11 सूत्री संकल्प लिया गया। संकल्प के पश्चात सांकेतिक पौधारोपण/मुफ्त पौधा वितरण भी किया गया। इसके लिए पौधें पर्यावरण एवं वन विभाग द्वारा सभी विद्यालयों को उपलब्ध कराया गया।

पृथ्वी दिवस का मुख्य कार्यक्रम पटना में बड़ी धूम–धाम के साथ कमला नेहरू बालिका उच्च विद्यालय, गर्दनीबाग में मनाया गया। इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री, बिहार, माननीय उपमुख्यमंत्री पर्यावरण एवं वन विभाग, बिहार एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा पर्यावरण सुरक्षा का संकल्प लेने के साथ–साथ वृक्षारोपण भी किया गया।

सम्पूर्ण मानवता का अस्तित्व पृथ्वी एवं पर्यावरण पर निर्भर है, इसलिए एक स्वस्थ एवं सुरक्षित पर्यावरण के बिना स्वस्थ मानव समाज की कल्पना अधूरी है। ''बिहार पृथ्वी दिवस'' के अवसर पर यह संदेश/संकल्प प्रचारित किया गया है कि हम सब मिलकर अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर अपनी पृथ्वी को न केवल ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन के खतरे से सुरक्षित करेंगे बल्कि अपने पर्यावरण को भी सुरक्षित रखेंगे।

इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए बिहार पृथ्वी दिवस के अवसर पर राज्य के सभी सरकारी एवं गैर सरकारी प्राथमिक एवं उच्च विद्यालयों के प्रधानाध्यापको द्वारा छात्रों को 11 सूत्री संकल्प दिलाया गया जो इस प्रकार हैः–

1. पृथ्वी के संरक्षण तथा पर्यावरण संतुलन को बनाये रखने के लिए सदैव कार्य करूँगा।
2. वर्ष में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाउँगा, इसे बचाउँगा तथा पेड़–पौधों के संरक्षण में सहयोग करूँगा।
3. तालाब, नदी एवं पोखर आदि को प्रदूषित नही करूँगा।

4. जल का दरूपयोग नही होने दूंगा एवं इस्तेमाल के तुरंत बाद सवधानीपूर्वक नल को बंद करूँगा।
5. बिजली का अनावश्यक उपयोग नही करूँगा तथा आवश्यकता नही रहने पर बिजली के बल्ब, पंखा एवं अन्य उपकरणों को बंद रखूँगा।
6. कूड़ा–कचरा को निर्धारित स्थानों पर रखे डस्टबिन डालूँगा तथा अन्य लोगों से भी इसके लिए अनुरोध करूँगा।
7. अपने घर तथा स्कूल को साफ रखूँगा।
8. प्लास्टिक/पॉलीथीन का उपयोग बंद कर इसके स्थान पर कपड़े या कागज के बने झोलों/थैलों का उपयोग करूँगा।
9. पशु–पक्षियों के प्रति दया का भाव रखूँगा।
10. नजदीक के कार्यो के लिए साईकिल का उपयोग करूँगा अथवा पैदल जाउँगा।
11. आवश्यकतानुसार कागज का उपयोग करूँगा तथा इसका दुरूपयोग नही होने दूँगा।